

ৰিষ্টিত্য খণ্ড

স্বরবিতান

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর



বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ কলিকাতা

খনদিশিকার ক্ষেত্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, খনাদিক্ষার দন্তিদার ক্ষীরচন্দ্র কর, শ্রীশৈলজারঞ্জন মজুমদার শ্রীমতী সাহানা দেবী, শ্রীশান্তিদেব ঘোষ শ্রীপ্রফুলকুমার দাস

প্রকাশ ফাল্কন ১৩৮৭ : ১৯০২ শক

@ বিশ্বভারতী ১৯৮১

প্রকাশক রণজিৎ রায় বিশ্বভারতী। ৬ আচার্য জগদীশ বস্থ রোড। কলিকাতা ১৭

মুক্তক শ্রীহনীসকৃষ্ণ পোদার শ্রীগোপাল প্রেস। ১২১ রাজা দীনেক্স স্তীট। কলিকাডা ৪

चथवा नाथुवी थरवष्टि करन्यानकरन		¢
শাষি ডোমার প্রেমে হব সবার	¥.	ь
আমি প্রাবণ-আকাশে ওই (আথরযুক্ত)		٠,
काँ गिवनविश्विती ऋव-काना (भवी		> ¢
ৰী ধানি বাৰে গহনচেডনামাঝে		56
निन यात्र दब निन यात्र विवादन		२०
ধুদর জীবনের গোধ্লিতে ক্লান্ত মলিন বেই শ্বুডি		२२
नर माजा, नर कन्ना, नर तथु		₹8
নির্জন রাতে নিঃশব্দ চরণপাতে		२१
পায়ে পড়ি শোনো ভাই গাইয়ে		٠.
वाक-अधिवाक, उर ভारम क्यमामा		૭ર
সন্মাসী বে ভাগিল ওই, ভাগিল		98
হুদয়বাসনা পূর্ণ হল		8 >

অধরা মাধুরী ধরেছি ছন্দোবন্ধনে।
ও যে সুদ্র প্রাতের পাখি
গাহে স্থানুর রাভের গান॥
বিগত বসস্তের অশোকরক্তরাগে ওর রভিন পাখা,
তারি ঝরা ফুলের গন্ধ ওর অস্তরে ঢাকা॥

ওগো বিদেশিনী,

তুমি ডাকো ওরে নাম ধরে,

ও যে তোমারি চেনা।

তোমারি দেশের আকাশ ও যে জানে, তোমার রাতের তারা, তোমারি বকুলবনের গানে ও দেয় সাড়া—

নাচে তোমারি ক্ষণেরই তালে॥

পা | নানা-II { না-I - ग्ना | I - ग्ना I । श्री - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I - I -

I পা -না নপা | পা -র্সা ^গনা I (ধপা -া পা | না না -1)} I ছন্দ বন্ধ নে • খ ধরা •

I ধপা -া -া | পক্ষা পা -া I পা পা পা | পা পা পা I নে••• ৩০ যে • হু দুৱ প্ৰাতে ৱ

I পক্ষা ৭পা - | | পমা মা - | I মা মা গা | রা গা মা I পা• ধি • গা• হে • হং দুর রাডে র

I গা -া পা | না না -া II গা ন "জ ধ রা •"

- - I र्जा । र्जा जा जी I र्जा ना । नर्जा जी शा I दक्ष द्वा • • त्र श्वद्व द्वि
 - I পা -1 मा | না -1 -1 -1 -1 | मा मा ना I
 - I र्जा र्जा । र्जा र्जा र्जा । र्जा ना भा I वा वा इस्ट वि १० व्
 - I পা -সা সা | না পক্ষা -ধা I পা -1 পা | না না -1 II অন্ত লে চা• • কা • "অং ধ রা •"
- পা|মপামা-1 II মা -গা -৷ | গা -৷ -রগা I গা -৷ -মা | -৷ গা মা I ৩ গো•বি • দে • • শি • • নী • • ছ মি
 - I শপা পা -া | পক্ষা পা -া I পা -না -ধা | পক্ষাপা -মা I ভাকো • ৩ • রে • না • ম্ ধ • রে •
 - I -1 -1 -1 | মা গা -1 I গা গপা পা | মা গা -1 I
 • • বে ডো মা রি চেনা •
 - I -1 -1 গা | গা মা -1 I গা -1 -1 | গা -1 -3 গা I
 • গো বি দে • শি •
 - I ⁴মা -া -া -া -া -া I {পক্ষা ধা পা | না না নৰ্সা I নী • • • • ডো• মা লি দে শে ল•

- र्मिना ना मा का मुख्य दिंग का ०० व्या ००
- I পৰ্লাৰ লা লা | ৰ্মারা সা I না -ধা -লা | না -া -া I ডো• মা রু রা• ডে র ডা • • রা • •
- I -1 -1 -1 | সাঁ সনা I সাঁ গাঁ | রার্সা I • • • ডোমারি• ব কুল ব নের•
- I ৰ্মনা কা -1 | কা কা -না I ধা -কা -না | ধপা -1 -1} I গা - নে - ৩ দে য় সা - - জা - -
- I পা সা সা | না -পা পা I পা -না না | ধা পা -1 I না চে ডো মা • ুরি ক ঙ্ক ণে রি •
- I পক্ষা ⁴পা পা | না না -1 II II ডা• লে "অ ধ রা •"

আমি তোমার প্রেমে হব সবার কলঙ্কাগী॥
আমি সকল দাঙ্গে হব দাগি॥
তোমার পথের কাঁটা করব চয়ন, দেখায় তোমার ধূলায় শয়ন
দেখায় আঁচল পাতব আমার— তোমার রাগে অফুরাগী।
আমি শুচি-আসন টেনে টেনে বেড়াব না বিধান মেনে,
যে পঞ্চে চরণ পড়ে তাহারি ছাপ বক্ষে মাগি॥

का का दिया -1 I রা ভরা ख -া ভরুরা **98**1 -1 ভক্তরা -1 I শা দি ডো 41 ব মে (#· ₹ ব ৰ ख्ब**या I** मा I 91 म्। -ণ্ সা -4193 -1 -1 -1 স 6 ভা • গী वि I সা -1 **শ**মা পা - 1 I মজ্ঞা মা - 1 ভররা -1 I স গে 7 न ₹• ব • I मा -ণ্ৰ সা -41 55 ভৱ ঋ1 I m -1 -1 -1 \$ • • **E**1 • श्री ना ना II { ना मा -। मा म -রা I ভঙা -1 জ্ঞা মা মা -পম! I টা তো মার প থে ব *****1 द्रव. य I তর্রা তরা -1 | তরা মতরা -খা I সা সরজ্ঞা -মজ্ঞ| ঋা সা -1} I থা যু ভো মা• বু **ে** • 4 **71 . .** • যু 4 मा -मा मा পा -खा I পा -44 नमा प्रभा শমা -1 I শে থা য Б 7 91 • 5 ৰ

- I মপা শমা -1 | ভ্রেরা মভরা -1 I দ্। ণ্সা -ঋভরা | রা মভরা -1 I ডেডা মারু রাণ গেণ জ হণ গ রা সী •
- I म्। म्। -१ | मा -२५७७। छ । I म। -१ | -१ | म। म। म। I क न छ क •• छ। I । • । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I । I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I | I |
- I { মা ণদা 1 | দা দা 1 I ণা সা 1 | ⁴ণা সা 1 I ভ চি • দা দ নুটে নে • টে নে •
- I ণা সা -আছা | ঝা সা -ঝা I ণা সা -ণদঝ। | ঝাদা ণদা -পা} I বে ড়া • ব না • বি ধা ••নু মে• নে• •
- I পদা দা -া | বা বাদা -া I ণদা দিণা -া I

 যে ০ ৩ ় কে ১০ ০ চ হ ত গ্প ড়ে •
- I পা পা -দণা | দপা মা -পমা I জ্ঞরা -া জ্ঞা | জ্ঞরা মজ্জা -া I ভা হা ৽৽ রি৽ ছা ৽প্ বো• ক্ধে মা• গি• •
- I দা দা -ণা ∤ সা -ঋডৱা ডৱঋা I সা -া -া | -া ভৱা ভৱা II II
 ক শুঙ্ক ∙০ ডা∙ গী • "আ মি"

আমি শ্রাবণ-আকাশে ওই দিয়েছি পাতি জল-ছলোছলো আঁথি মেঘে মেঘে॥ মম (আমার বেদনা ব্যাপিয়া যায় গে। বেণুবনমর্মরে মর্মরে ॥) বিরহদিগন্ত পারায়ে সারা রাতি (বিরহের পরপারে খুঁজিছে আকুল আঁখি মিলনপ্রতিমাখানি — খুঁজিছে।) অনিমেষে আছে জেগে মেঘে মেঘে ॥ গিয়েছে দেখার বাহিরে যে তারি উদ্দেশে চাহি রে। আছে (সে যে চোখে মোর জল রেখে গেছে চোখের সীমানা পারায়ে।) স্বপ্নে উড়িছে তারি কেশরাশি (কেশের পরশ তার পাই রে।) পুরব-পবন-বেগে মেঘে মেঘে॥ শ্রামল তমালবনে य পথে সে চলে গিয়েছিল বিদায়গোধুলিখনে বেদনা জড়ায়ে আছে তারি ঘাসে — কাঁপে নিশ্বাদে -(তার না-বলা কথার বেদনা বাজে গো-চলার পথে পথে বাজে গো।) বেদনা জড়ায়ে আছে ঘাসে ঘাসে— কাঁপে নিশ্বাসে-সেই বারে বারে ফিরে ফিরে চাওয়া ছায়ায় রয়েছে লেগে মেঘে মেঘে।

I মামপাপাপা|পা-|পাপাI মাপাপণাণা| ধাধণা পা I
দি বে • ছি পা ডি • ম ম জ ল ছ • লো ছ লো• আঁ থি

- [नर्त्रमा ना ना -धा]
- I બા-નથા બા- $|(-બા-થા-બા-મા)\}I$ બાથા બાર્મા I મળા ત્રામાં માં | મથા ત્રામાં માં ત્રામાં પ્રાથા ત્રામાં વા ત્રામાં પ્રાથા ત્રામા ત્રામાં પ્રાથા ત્રામા ત્રામાં -
- I সা সা রা রা | রা -া রা -সরা I রা -মা -ভরা -া | -া -া -া -া I
 শ্রা ব ণ আবা কা শে • • • ই
 মা শণা
- I { জুৱা জুবা ধা ধা | ধা । ধা মা I ধা ণা ণর্রা র্ফা | ণর্ফাণঃ ধণা ধাণ পাণ I
 বি র হ দি গ নৃত পা রা রে• • দা রা
- I মা ণধা পা | | | | | | | | I (সা সারাগা | মাপাপধাপা I রা ড • • বির হে র প র পা• রে
- I মা গা মা | মা গমপা পা পা I পা ধা পা ণা | ধা া া া I খুঁজি ছে আ • কুল আঁ • বি • •
- I ধা না না -া | না না সা -রা I সা-রাসা-ণা | -ধা-পাপধামা I মি স্ন • প্র ডি মা • খা • নি • • গুঁ• জি
- I γ_1 -1 -1 -1 -1 -1 -1 -1 -1 -1 γ_1 Y_1 Y_2 Y_3 Y_4 Y_4 Y_4 Y_5 Y_6 Y_7 Y_8 Y_8
- I মা পা পমা ণধণা | মজ্জা-ারাসা I সাসারারা | রা-ারা-সরা I মে ঘে মে • • • ঘে • আ মি আ ব ণ আমা কা • শে • •
- I রা-মা-জ্ঞা-া | -া -া নুমা I মা মপা পা পা | পা -া পা -া I ৩০০০০০ ই দি বেং ছি পা ভি ০ বে ০

- I মাপাপাপনা | না-ানানসা I সা-াসাসা | স্ণা ^{গ্}রা স্র্রসা -ণা I গি য়েছে দে • খাব্বাহি - রে • খাছে ডা - রি উ - দ
- I ণাণাণধা^নধা | পা -া -পা -ধা I -পা -ধা -ণা -ধা | -পা -া মা গা I দেশে চা হ লে • • • দে যে
- I {মাধা⁹ধা-মা | ধা-ণাণরার্সরা I র্সধা-র্সণধাপা-া | (-প্ধা-মামাগা)} I চোধেমোর জ স্বে থে গে • ছ • সেবে
- | পাধাপা^পণা I ধাপামধাপধপা| মহজা-।পা-ধা I মাপাপাপনা| না-ানানর্সা I চোথের সী মানাপাণরা । রে যে গিরেছে দে খার্বাহি •
- I সাঁ -া সাঁ সাঁ | স্ণা ⁴রা স্র্রসা -ণা I ণাণাণধা ⁴ধা | পা -া -পা -ধা I রে • আন ছে ডা• রি উ • দুদেশে চা• হি রে • • •
- I -পা -ধা -ণা -ধা | -পা -া -া -া I পা -ণা ণা -া | ণাণধা ণা -া I

 • • • শ্ব পুনে উভি ছে •
- I ণধা -⁹ধা পা -¹ | -¹ -ণা ণা ণা I ণধা -⁹ধা পা -¹ | -¹ -¹ -¹ -1 I ডা• वि • • • •
- I পানানানানান নদা-রিগা I না-ার্দা-া^ম | মাপাপাপা I কেশের পার লাভা∙ ব্পাইরে • কেশের প
- I পাধাপধা-ণা | ণধা-^পধাপা-া] পাধাপা^পসা | সা গণা ধা^ণ পা^ধ I র শ ডা॰ বু পা॰ ই রে ৽ পুর ব প ব ন বে গে
- I মা পা পমা ণধণা | ম্ভ্রা া রা সা II মে যে মে • • • মে • • • শ্বা মি"

- -1-1-1 II সাসজ্ঞাজ্ঞা | জ্ঞাজ্ঞাজ্ঞা-রা I ম্জ্ঞা-1-1-মা | মামপা পা পা I

 • ই খাম ল ড মালব নে • যে প থে সে

 - I মাপাপাপমা | প্মাপ্মা জ্ঞা-রজ্ঞারঃ I সা-া-রা-না | সাসজ্ঞাজ্ঞা জ্ঞা I আ ম ল ড মা ল ব • আ ম ল ড
 - I ভৱা ভৱা -রা | মুভৱা -া -া -মা I মামপাপাপা | পাধাণাণা I মাল ব \cdot নে \cdot \cdot যে প \cdot থে সে চলেগিয়ে
 - I -141 -141 -11 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141 -141
 - I পুমা পুমা জ্ঞা-রজ্ঞরেঃ | সা -া -া -া I মাপাপা-না | নানানা-সা I মাণ ল ব ・・・ নে ・ ・ বে দ না ・ জ ড়ায়ে ・
 - I 'না-সাসা-। | -াঃ -নঃ নানা I না -নসা সা -। | স্না নর্রা সা -। ! আ • ছে • • ডারি ঘা • সে • কাঁ• পে• নি •
 - I ণধা-শধাপা- | ৷ ৷ মগা-মা I $\{$ মা পা পা পা $\}$ পা ন ধা বা মা $\{$ মা পা পা পা $\}$ পা ন ধা $\{$ মা পা পা পা $\}$ পা ন বা দ
 - I পা-ণাণাধা|পা-া(পধা-মা)} I-া-া I পাধাণার্সা|র্সণা-র্রার্সাণধা I
 না ব জে গো ত তা র্ চলার প থে পথে
 - I -পা-ণাণাধা | পা-া-া-। ^ч I মাপাপা-না | নানানা-র্সা I • বাজে গো••• বেদ না• জ ছায়ে •

- । [रिना नमा मा मा किमा -शा शा शा मा मा मा मा मा -शा शा -। I चा मा त्य व देव ० कंक देव ० वा नी १५ ० दिव ०

 - পাধা⁴ मार्नामार्मामार्मा I नर्मक्षा-ना-ग-ग-ग I ग ७ क न य व ना ४ तिरु • • • • • • • • • • •
 - ননা-সাসাসাসাসানা I খনা খপা । না । সাসা সা I বি • ভা এ নেছি সাথে এ ই গো • নি: • হুর

 - ধনা -1 নাধা | পা -1 -1 -1 II রি • ভ জ না • • •
- II সমা মা মা মা মা মা পা পা I পা ধা না 1 | ধনা 1 ধপা 1 I শ ভে রো পু ক য গে ছৈ ভাঙাভ মু বু • রা •
- [পা দা দা | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | -
- [র্গা-গ্রা-গ]
 I পাধানা- | শনা- শপা- I { নর্গা- গ্রা গ্র

- I यना न यभा न | न न न न न } I भर्मा जी जी जी जी जी जी जी जी ही I
- I नर्जा । र्मा ना ना ना । I रना । ना -र्जा | रना ना रजी । I क ना क ना क क ना क
- I না না না | খনা -া না ধা I পা -া -া -া -া -া -া II II ক বি ভা হা বি • ভ জ না • • • • • •

¢

কী ধ্বনি বাজে
গহনচেতনামাঝে!
কী আনন্দে উচ্ছসিল
মম তত্মবীণা গহনচেতনামাঝে।
মনপ্রাণহরা স্থা-ঝরা
পরশে ভাবনা উদাসীনা

II	{ গা	-ক্ষপা	পক্ষা	ৰপকা।	-পা -া -	1 -1	গপা	-1 -1 -1	-क्वभा -धश	-পকা ^{-প} কা
					•					•••
	গা	-1	-1	-1 }	গন্ধা গ্ৰা	1 -71	म्।	-া না ঝা	ঋগা -1	-11*
	জে	•	•	•	গ হ ৽ ন	•	•	• চে ড	না • •	• •
	গা	-ঋা	-1	-1	সা -1 -1	# -1	গহ্মপা	-ধধা পা -1	ধধা -পপা	-কা ^{-প} কা
					বে • •					
	গা	- 241	-1	-1	গন্ধা - হ্মগা গ্		ঋগা		সা -1	-1 -1
	८म	•	•	•	छ ∙ ∙ ह्र	•	সি •		न •	• •
	সা	ঋসা	- a 1	-14	গা হ্বাপা	-না	-1 -1	ধপা -ক্ষা	^{-গ} হ্মা -	গা -1 -1
	ষ	ম •	•	•	গা হ্বা পা ড হ বী	-		ণা •	•	
	গকা	গঋা	ঝা	-সা	-ना - । ना	ঋা	ঋগা	-1 -1 -19	গা -ৰ	N1 -1 -1
					• • •					
	সা	-1	-1	-1	গা গা হ্বধা ৰ	ৰ্দা	ৰ্সা ৰ্	n -1 -1	-1 -1	সাৰ্ স্থা
	ঝে				म न व्या॰					

-17 514 斩 ৰ্সা -1 नर्भा -1 -1 -1 - शा शा क्ष्रधा - वर्षा नर्भा -1 বা 9 ₹ বা र्म)र्च ৰ্নৰা -। - 1र्ग जीर्व नजी -1 -1 ৰ্সা -1 -1 -1 -1 ... না -1 না 41 . 3 • • ঝ বা 4 ব্র (4 -1 -14 4541 41 र्मा - । - । ना नार्ग -थना -पनर्मा নধা ^{প্}রা -84 -1 না छ मा •• मी. · • • • ব না था -जी ना -था -1 -ধা পকা -ধপা -কা -গকা -1 91 গা -1 -1 -1 · की ধ্ব • নি • বা • (T -ना -। ना था गमा गथा था -मा 211 -1 -1 -19 গা -ঝা -1 -1 হ ৽ ন • চে ভ ना মা -1 -1 -1 II II সা -1 -1 -1 ঝে

দিন যায় রে দিন যায় বিষাদে—

স্বার্থকোলাহলে, ছলনায়, বিফল বাসনায় ॥

এসেছ ক্ষণভরে, ক্ষণপরে যাইবে চলে,
জনম কাটে বুথায় বাদবিবাদে কুমন্ত্রণায় ॥

II সা - | -ন্সা -রজ্ঞা - বরা I **मि • • • • • न** I 호히 -1 -1 - 우지 | -우호이 -1 -국가 호텔 | -1 -가 -1 백가 | -1 -자 - 무지 - 무지 - 모 ষা • • • • • মুব্লে • • • দি • নাসা-1-1 | -1 ন্সা-রভল -1 | -1 ভল -পমা-প্তল | -1 -ঋসা-ঋন্1-1 I ন বা • • য় বি• • • • বা I সা -া -া না | -া সা ভলা -রা | -সা সা -া -ঋসা | -ঋনা -সা -না -া I CF • वा द्रथ (का • • ना • इ (न • • • • ॰ ॰ । इन न) • • • • इ I 384비 -1 -커 -귀 | -무귀 -커 귀 커 | -1 -1 II বা • • • স না • য়

- I মজ্ঞা -া -রসা জ্ঞ্ঝা | -া -সন্। -দ্ন্। -সা | ন্। সা -া -া | ন্। সা সা I ই • • ব • • চ লে • জ ন ম কা
- I ঋঋা-সদা-নাদা | পাৃ-া-া ভগা | -া ভগা রা ভগা | -া ভগা -পমা -পভগা I টে• •• • রু থা • যুবা • দ বি বা • দে •• ••
- I -া -রসা ভঃঋা সা | -ন্ -দ্ন্সা ন্ সা | -া -া II II > • • • কু • শ • • -ন্ অ ণা • য়্

১ निन्। बाढ़ार्छका

ধ্বর জীবনের গোধ্লিতে ক্লান্ত মলিন যেই স্মৃতি
মুছে আদা সেই ছবিটিতে রঙ এঁকে দেয় মোর গীতি ॥
বসন্তের ফুলের পরাগে যেই রঙ জাগে,
ঘুম-ভাঙা পিককাকলিতে যেই রঙ লাগে,
যেই রঙ পিয়ালছায়ায় ঢালে শুক্লসপ্তমীর তিথি ॥
সেই ছবি দোলা খায় রক্তের হিল্লোলে,
দেকিণসমীরণে ভাসে, পূর্ণিমাজ্যোংস্লায় হাসে—
সে আমার স্বপ্লের অতিথি ॥

II भर्मा - । भी भी । भी भी भंदी भी I भी - ना ना ना | भा - । - । - । I को নে• গো • ধু লি ধ • ব ব্র E) मि যে • ই न ન শ্ব তি I ना नमा मा -1 | मा -1 -1 -1 | मा -श श श श मा | ना -ना ना -1 I মু ছে• শা त्म हे इ वि• कि • व्य সা -नी नी नी | नी -नी नी -नी I नी -न मा -1 | -1 -1 -1 II **ड** वें क দে ষুমোর গী • ডি • II मां -ती ती -1 | ती -1 -1 - र्मर्भा I ती तीर्भा भी र्मती | ती -ती ती -मी I নুডে • • • বু স ফু লে• ব্ল প• বা • I ना -ना -ना -ना -ना -ना -ना -। वा I -नधा -ना ना -। ना -। मा -। I · · ই ৰে র ঙুজা • গে পি **9** • ঘু • ষ্ভা 61 **4**1

- I {ধা-নানা-া | নানানানা I না-সা-র্রা-সা | -নসা(-ধা-া-া)} I -ধাধানা I বে ই রঙ্পিয়াল ছা যা ০ ০ ০ ০ ০ জ্ র্চা,লে
- I সা -1 সা সা | -1 পা পা পা I সা -1 মা -1 | -1 -1 -1 II ভ ক্ল স প্ত মী র ডি ০ থি ০ ০ ০ ০
- I মা -ধাধাধা | ধা মা মা -গা I মা -ধাধানা | না -া না না I সে ইছ বি মি শে যা ম্ নি রুঝ র ক লুলোলে
- I ধা -1 না না না না র্মা I সা -1 না -1 -1 -1 I দ ক থি গ স মী র ণে ডা সে • •
- I সা -মা মা | মা -1 ^মপা -গা I গা -ঋ। সা -1 | -1 -1 -1 I পুরুণি মা জ্যোৎ জা - যু হা - সে - - - -
- I সা শমা মা -1 | মা -1 মপা গা I মা -ধা ধা -না | সাঁ -1 -1 -1 I সে আমার অংশ নে র অং তি • থি • • •
- I ৰ্মা গা গা 1 | গা 1 1 মৰ্পা I গা প্ৰপি পা ম্পা | গা রা রা পা I ব • স নু তে • • বু জুলে• ব প • বা • পে •

নহ মাতা, নহ কক্সা, নহ বধ্, সুন্দরী রূপদী
হে নন্দনবাদিনী উর্বশী।
গোষ্ঠে যবে নামে সন্ধ্যা প্রান্ত দেহে স্বর্গাঞ্চল টানি
তুমি কোনো গৃহপ্রান্তে নাহি জ্ঞালো সন্ধ্যাদীপখানি
দ্বিধায় জড়িত পদে কম্প্রবক্ষে নম্ভনেত্রপাতে
স্মিতহাস্তে নাহি চল লক্ষ্কিত বাসরশয্যাতে
অর্ধরাতে।
উষার উদয়-সম অনবগুটিতা
তুমি অকুষ্ঠিতা।

- I मा ना ना ना निर्मान ना ना I न न न न । मा ना ना ना ना I । । । मा ना ना ना ना मा ना मा ना मा ना मा ना मा

- I निशा -1 পा -1 | -1 -1 -1 I मी मी -1 मी मी मी नी -1 I शा • नि • • • • विशा युक्त फ़िंड প •

- I { e^{i} e^{i}
- I γ_1 - γ_1 γ_2 γ_3 γ_4 γ_5 γ_5 γ_6 γ_5 γ_6 γ_6
- I मा ना नना ना | भा 1 1 1 } I { र्जार्जा 1 र्जार्जा र्जार्जा विकास विकास

I -1 -1 -1 | র্সার্গার্গারা বিদ্যাদাপা -1 | -1 -1 -1 -1 } II II

• • • তুমি আ কু • ণ্ঠিডা • • • •

নির্জন রাতে নিঃশব্দ চরণপাতে কেন এলে।

হ্যারে মম স্বপ্নের ধন-সম এ যে দেখি—

তব কপ্রের মালা এ কি গেছ ফেলে॥

ক্ষাগালে না শিয়রে দীপ জ্বেলে—

এলে ধীরে ধীরে নিজার তীরে তীরে,
চামেলির ইঙ্গিত আসে যে বাতাসে লচ্ছিত গন্ধ মেলে॥

বিদায়ের যাত্রাকালে পুষ্প-ঝরা বকুলের ভালে

দক্ষিণপবনের প্রাণে

রেখে গেলে বল নি যে কথা কানে কানে—

বিরহবারতা অরুণ-আভার আভাসে রাঙায়ে গেলে॥

- I পা | পৰ্সা সা I না পক্ষা ধপা ৷ I ৷ ৷ ৷ ৷ ৷ পা পা না ধা I
 লে কে ন এ • লে • • এ লে ধী •
- I ধা সনাধপা ৷ I পা পর্সানাধা I পা আলাধাপা I পা পা পমা ৷ I ডী • বে ৷ চামে লি র ই ঙুগি ড আলাদে বে •
- I মা যা গা I গা পা ৷ ৷ I গা গা গরা I রা সা সা সনা I বা • ডা • সে • • স জ জি ড • গ ন্ধ মে •
- I ধা -নার্সানা I ধা -র্সনাধপা -। I পা -ক্ষা ক্ষা পা I মা -গা গা -পা I কে \circ কে ন এ \circ কে \circ নি বু জ ন রা \circ ডে \circ
- I 1 1 1 1 মা 1 মা
- I না -ধা ধা -পা I পা -ক্ষা পা পা I পৰ্সা সা -না না I না -ধা ধা -া I কা • কে • পুষ্প ঝা রা• ব • কুলে • র •
- I সা -া স্না -রা I সা -া -া -না I ধা না সা -রা I সা স্না না -ধা I ধে • পে• • কে • • ব ল নি • বে ক • ধা •

- Î 491 91 9241 41 Î 91 1 1 Î 9 \hat{n} \hat
- I সা স্থা গা গা I রা সা স্না I শনা -া না I নধা ধপা পক্ষা -ধা 'I

 আন ক ণ আন আন বা আন ক না আন ক গে •
- I পা পৰ্লা সা I না পক্ষা ধপা IIIII
 কে কে ন এ কে •

পায়ে পড়ি শোনো ভাই গাইয়ে,
মোদের পাড়ার থোড়া দ্র দিয়ে যাইয়ে॥
হেথায় সারে গামা-গুলি সদাই করে চুলোচুলি,
কড়ি কোমল কোথা গেছে তলাইয়ে॥
হেথায় আছে তাল-কাটা বাজিয়ে—
বাধাবে সে কাজিয়ে।
চৌতালে ধামারে
কে কোথায় ঘা মারে—
তেরে-কেটে মেরে-কেটে ধাঁ-ধাঁ-ধাঁ-ধাঁইয়ে॥

- I মা-াপা | -াপা-া I পা-া-া | পণাণা:-ধ: I বপা-ামা | -ামগা-া I ক - ফি - কো - ম - ল কো - গে - ছে - ছ - -
- I রগা -া -া | রসা -া -া II লা• ই • রে• • •
- -1-1-1 I $\{$ ন্ন্ন $\}$ ন্ন্ন $\}$ নান্ন $\}$ সানান $\}$ রারান $\}$ রান $\}$ । বাজ $\}$ হৈ বাজ $\}$ সে তেওঁ কাটা $\}$ বাজ $\}$ সে তেওঁ
- I পা পা | খা 1 ধর্মার্মা 1 মর্মা গা | -ধা ধপা 1 } I ধা মা রে কে কো • থা য়্ মা রে •
- I { মপা পা পা | -1 পা -1 I পা পা পণা | -1 ণাঃ -ধঃ I শপা -1 মা | -1 মগা -1 I তেওঁ বেকে টে ধাঁ ধাঁ ধাঁ ধাঁ •
- I লগা -1 -1 | রসা -1 -1 } II II ধাঁ ই • যে• • •

রাজ্ঞ-অধিরাজ্ঞ, তব ভালে জ্বয়মাল।—

ত্রিপুরপুরলক্ষী বহে তব বরণডালা ॥

ক্ষীণজ্জনভয়তরণ তব অভয় বাণী, দীনজ্জনত্থহরণনিপূণ, তব পাণি,
তক্ষণ তব মুখচন্দ্র কক্ষণরস- ঢালা ॥

গুণীরসিকসেবিত উদার তব দ্বারে মঙ্গল বিরাজিত বিচিত্র উপচারে,
গুণ-অক্লণ-কিরণে তব সব ভূবন আলা ॥

						#
II { श	-ণা ধা	পা	মা পা	-1 91	পা	পা I
রা	• 🖷	च	ৰি বা	• জ	Ø	ব
I (পা	-ধা পা	মা গ	না গা -মা	পধা	-পর্দা	-ধণা) } I
ভা	• লে	9	য় মা •	শ •	• •	• •
I পা	ৰ্সা না	ৰ্দা	না সা	-া র্সা	না	ৰ্দা I
ত্তি	পু র	બૂ	র ল	क् थी	ৰ	ছে
I at	নর্রা সা	ৰা	্ধপা গা	-মা	পধা	-वर्मा II
· હ	ৰ • ব	ব	ণ • ডা	•	ना •	• •
II { মা	-পা পা	না	না না	না না	না	নপা I
की	o 4	9	ন ভ	য় ভ	র	q •
I পা	ना ना	ৰ্সা	রা না	-1 र्मा	-1	-97 I
ড	ব অ	•	ষ় বা	• নী		<u> </u>
I et	-1 91	91	ना । श	ना या	পা	या I
मी	• ন	अ	ন ছ	₹ ₹	র	4

I	ণা	ধরা সা	41	ধা পধা	-পধা পা	-1 -1} I
	नि	भू• ।	•	ৰ পা•	• • •	• •
I	মা	পা । পা	পা	পা মা	পা না	-मा ना I
	A	इक व	æ	व भू	্ধ চ	ন্ জ
I	না	- নর্রা সা	ণা	ধা গা	-মা পধা	-ণৰ্সা -ধণা II
		রু• ণ	র	স ঢা	• লা•	• • • •
11	ম1	બા બા	না	ন না	-1 না	না পা I
	9	नी ब	ति	ক সে	• বি	ভ উ
I	না	-1 না	ৰ্সা	র্বা না	-1 ৰ্মা_	-1 -41 I
	म	• ব্র	G	ব ৰা	• ব্রে	• •
I	ণা	-1 11	41	ধা শা	-ধা পা	ধা ণা I
	ম	ঙ্ প	न	বি রা	• ভি	ভ বি
I	ণা	-রা সা	41	ধা পধা	-वश शा	-1 -1 } I
	हि	• অ	8	প চা•	• • ব্রে	•
I	মা	পা পা	911	ধা মা	পা না	না সাঁ I
	13	ब	क	न कि	র ণে	ভ ব
I	না	নর্রা সা	ৰা	ধা গা	-মা পধা	-ণৰ্সা -ধণা II II
	স	ৰ • ভূ	a	ন শা	• লা•	• • •

সন্মানী যে জাগিল ওই, জাগিল ওই, জাগিল।
হাস্ত ভরা দখিল-বায়ে অঙ্গ হতে দিল উড়ায়ে
শাশানচিতাভন্মরাশি — ভাগিল কোণা ভাগিল।
মানসলোকে শুভ্র আলো চুর্ণ হয়ে রঙ জাগালো,
মদির রাগ লাগিল তারে— হাদয়ে তার লাগিল।
আয় রে ভোরা, আয় রে ভোরা, আয় রে —
রঙের ধারা ওই-যে বহে যায় রে।

রভের ঝড় উচ্ছুসিল গগনে,
রভের চেউ রসের স্রোতে মাতিয়া ওঠে সম্বনে —
ডাকিল বান আজি সে কোন্ কোটালে।
নাকাড়া বাজে কানাড়া বাজে বাঁশিতে —
কান্নাধারা মিলিয়া গেছে হাসিতে —
প্রাণের মাঝে ফোয়ারা তারি ছোটালে ॥

এসেছে হাওয়া বাণীতে দোল-দোলানো, এসেছে পথ-ভোলানো—

এসেছে ডাক ঘরের-দার-খোলানো।

আয় রে ডোরা, আয় রে ডোরা, আয় আয় আয় —

রঙের ধারা ওই-যে বহে যায় যে।

উদয়রবি যে রাঙা রঙ রাঙায়ে পূর্বাচলের দিয়েছে ঘুম ভাঙায়ে অক্তরবি দে রাঙা রদে রদিল—

চিরপ্রাণের বিজয়বাণী ঘোষিল।
অকণবীণা যে সূর দিল রণিয়া সন্ধ্যাকাশে সে সূর ওঠে ঘনিয়া নীরব নিশীথিনীর বুকে নিখিল ধ্বনি ধ্বনিয়া।

আয় রে ভোরা, আয় রে ভোরা, আয় রে—
বাঁধন-হারা রঙের ধারা ওই-যে বহে যায় যে॥

र्जा | जी न | जी न I जिला न जी | जी न | ली न I • গি ল न् छ। नी • द • जा• ₹ र्माना -1 था -शा I शा श िशं -1 -1 -কা I an ₹ গি 7 41 গি 7 41 બા બા ના બા -1 I 91 পা । ধা -1 | 91 হ্মা I 91 -1 থি ভ • বা • ¥ न বা বে ē١ -ना ग्ना | शा -1 | शा -1 I शा 91 ক্ষা ধা -1 91 I M पि উ ঙু গ **হ** • ডৈ • म ডা C₹ ता | शा -1 | शा -1 I मा -1 ता | शा -1 | গা -গা I I A সা 何 वि তা **S** রা . 41 न • • र्जा | र्जा -1 | र्जा -1 मि -ना 新 | 新 -1 | -1 -1 I I A ৰ্গা • গি **a** • পা ভা • গি ল কো **E**1 গা | পা -क्या | शा -পা I शा -र्गार्मा | र्मा -। र्मा -1 I 91 (**4** • **9** • ভ আ • লো শো • 41 ਜ স र्जा | र्जा - न | र्जा - र्जा | र्जा - । र्जा I র্সা -11 **१ इ • इ • इ छ जा** ना · (8) Þ ৰ र्जा की | र्जा -1 | -1 -र्जिक्या की की की | र्जा -1 | ना -1 I I ना লা গি ল ভা • • · • • नि ब • রে 4 রা श | भा -1 | -र्भा ना ना । ना - । श - । I भा - मा I at লা • গি • র • न • म (त्र छ। হ রা | -1 | मा -1 I मना र्भा - । ना -1 I न ना ना -1 I पर्मा न्डा नो গি ₹ ্ স • ধে · •

- न जी न न श ना भी ना भी ने न न न • ७ रे मा • निन • পি -र्भ मा | भी - | भी - । मिना -र्मा सी | सी -र्मा | शा - । । য় রে ভো • রা • শা• যুরে পা (3) -ti -和 | -취 -취 | -취 -취 I 취 -1 -1 -1 -1 -1 -1 -1 I • • • য়ুরে • • 41 र्मा मि - । मि - । मि - ना की | मि - । ना - । I ₹ ... Œ র শা • রা • ৩ ই CT ব • ছে I আমা -পা -ধা | -না -র্সা | -নর্সা -া I ধপা -1 -1 | -1 -1 | -1 -1 I ৰা • ৴ • • • বুৱে• I fi • • জু উ চু জু দি ₹ ঙে র ঝ र्जा मिं न | न न I मिं मिं मिं न | न I A --र्ग म • • व 7 (E ব্র (T र्जा मि - | ना - 1 शार्मा I at र्मा | ना - | धा - | I র হো • ডে • মা র শে ডি য়া ও -1 | -1 -1 I 위 위 위 | 귀 I পা था | भा -201 -1 | 41 • • ভাকি **ল** বা 7 ঘ নে न चा वि क्या - शा | शा - त्रा | वशा - त्रा I मा - ग - ग | - ग - ग | - ग - ग I I M শে ৰে 7 **(4)** • টা • শে
- ेI পা পা গা | পা -का | शा भा I र्था र्जा र्जा | र्जा । I ना का का वा • क्व • का ना का वा • क्व •

- I সা সা রা | গা -1 | গা -মা I ^রগা -1 রা | সা -1 | -1 -1 I বি লি যা গে • ছে • হা • সি ছে • • •
- I र्जा र्जा र्जा | र्जा । र्जर्जा । र्जा न I र्जा जी | र्जा । र्जा । वि •
- I পা -নারা | পা -া | -পা -া II ছো • টা লে • • •
- I ণা -া -দা | দা -পা -গা I পা পমা মা | মা -া মা I লা • • নো • • এ কে• ছে গ ণ্ছো
- I মা -গা -পা | মা -া -া I সমা মা মা | মা -পা -গা I লা • • লো • • এ• সে ছে ভা • ক
- I গা গা -1 | গা -পা গা I গা -ঋা -1 | সা -1 -1 I ঘ ৱে বু খা বু খো লা • • নো • •
- -र्ना ৰ্দা -र्जा I ना था ना -र्जा I -ৰ্সা সা I at था । ना শা ₹. রে ভো वा त्व (ज রা • जा 4
- I ना -र्जा -श | ना -र्जा -श I ना -र्जा -। -। -।] चा • इ.चा • इ.चा • इ.• • •
- I m ৰ্গা ৰা -1 I an -1 ৰ্গা | ৰ্থা ना । ता ৰ্সা -1 I · 18. \$ ব (\$ য় 41 4 বে ব ८र

-1 -1 I -1 |-প্যা -গপা -1 I মা -1 -1 | -1 া না -17 •• যু বে ্ৰা र्न्जा . I र्जा र्भ। भी ৰ্গা -পা I প্রা र्जा र्भा भी -1 -1 I \$ বি · (4 · 함 12 ব • ₩• 6 য় ব - I ना - ना | श्री ৰ্সা ৰ্গৰা - | | র্না -1 I I fi -1 • পুৰু বা Б লে 61 . • বে • ৰ রা मशा I शा -मा -1 मा -1 I at ৰ্সা र्मणा ना -मा -1 I জা • ব मि ছে• সু 4 CE -1 I সমা -1 I মা | মা মা মা মা-মা I A -मा মা রা ঙা র বি • সে • শে ৰ ত ব 4 -পা মা -1 I সমা মা | গা I মা -91 মা I A মগা -1 চি • শি• • ল ব্র 21 Cel ব ব গা -খা সা -1 I -1 ना ना ना -11 I 11 I 31 97 ৰী **ৰি** • ৰ বা • ঘো न বি 4 -1 I পক্ষা পক্ষা খা গা 21 -91 I 91 91 97 I সা সা র • দি • ণ বী • বে স্থ **o** 4 7 97 পা । পর্সা -1 -1 I আমা -পা ৰ্না -1 I -গমা গা প স্বা I M •• য়া • • স श्रा का • **9** • न শে 짂 -1 সা গা -পা I গা ঋা -1 -খানা I मा श्रेमा I on नमा . • য়া क्षं • ष नि 4 ₹• শে -1 -1 -1 -1 I -1 I A সা वी • • 41 • 9 ্ প ₹

I	না	ৰা	या ना			का ना		-1 I
	नी	4	व नि	7	• ধি	नी इ	र् त	•
I	না	ৰ্সা	41 41	ৰ্দা	-পা I ণা	नमा -1	मा -भ	- I
	नि	ৰি	म ध्व	নি	• भ्व	নি •	ষা •	•
I	91	-মা	মা মা	মা	-1 I সমা	-া মা	মা মা	-1 I
	শা	ब्	রে ভো	রা	• শ•	^{ब्} दि	ডে ব	1 •
I	সা	-মা	-1 -মগা	-91	-1 I মা	-1 -1	1 -1 -	1 -1 I
	শা	•	• ••	•	ब् द्व	• •	•	• •
I	সমা	মা	মা মা	মগা	-পা I গা	গপা পা	পগা	গা -া I
	বা_•	4	ন হা	রা •	• র	ঙে• র	या •	রা •
I	গা	-91	পা পগা	গা	-1 I গা	-111 -1	मा -1	-1 II II
	8	\$	বে ব•	হে	• যা	• য়্	বে •	•

দাদরা তালে মেলাবার জন্ম চিহ্নিত তিনটি স্থলে তিন মাত্রা করে টানতে হয়েছে, মূল-সীতরপে
ছিল না।— স্বরলিপিকার

' ক্ৰিণ্ডক "নাকাড়া বাজে কানাড়। বাজে… ছোটালে" এই স্থাপের স্বরান্তর প্রথমে এইরপ দিয়াছিলেন—

- - I সা নারা | সা | -পা II ছো • টা লে • • •

হাদয়বাসনা পূর্ণ হল আজি মম পূর্ণ হল, শুন সবে জগতজনে। কী হেরিফু শোভা, নিধিলভূবননাথ চিন্তু-মাঝে বসি স্থির আসনে।

				1	· II	নরা হদ	পা য	-1	1	-প	ামা	-মা •	-1	-1 •	গা বা	মমা দ •	-মগ • •		-রগা ••]
I	র স া না•	-সা •	-1 •	-1 •	-લ્	स् ।	-1 •					-1 •		-1	-ররা • •	- म ः	· ·		ণ্	
I	-1 •		ধ্ ল	-1			-ণ্প্া							न्। य		-i :	-1	-1	-ণা	I
I	-ধ্	-1 •		-1 •		-1	-	•	-1		-1	-রর		- স ন্া • •	मा . र्ग	-1		ধ্া ল	-1 •	
3.	-গ্	-পৃগ	-1	-1	-	সা ন	সা স	न		-1		-1	-রা •	সর া জ•			মা	গা ভ	-1	I
ľ	-1 -	া -মগ	া -ম	্রা -	1 -1	রা জ	রগা		-ম	191	-ধঃ	n -	শমা	-গগা • •	-পপ	-মগ ·•	া -রগ	n -	মমা • •	,

| -त्रना -त्रना -ना -ग -1 II

II গা-া-া-পপা | -মগা-রা -া -া গা মা পা ^পক্ষা I কী • • • • • • হে রি ছ শো

I পা -া -া পা মা গা -া -মগা | -মরারারাগারগা -মপা -পমা -মগা | ভা • • নি ধি ল • • • ভুব ন না• • • • •

-গরা-সন্সা-া সা সা রা | -া -মমা -গরা -গা -া মা পা -া I

| -রগা -মমা -গগা -রসা -সা II II >

ষন্ত্রবিভান বিষ্ট্রভিষ খণ্ডে ভেরোটি গানের অর্কিপি সংক্ষিত। ইহার মধ্যে ছ্যেন্ড্রনাথ বন্ধ্যোপাধ্যার কৃত্ত ৬ ও ১০ -সংখ্যক গানের অর্কিপি বিশ্বভারতী পজিকার বধাজনে ১০২৪ মাঘ-হৈজে ও ১০১৯ প্রাবণ-আবিন সংখ্যা হইতে গৃহীত। অনাদিক্ষার দন্তিদার -কৃত্ত ১১-সংখ্যক গার্নের অর্কিপি অ্রক্ষা পজিকা-১ সংখ্যার প্রকাশিত হইয়াছিল। বিশ্বভারতী পজিকার বথাজনে ১০১৪ মাঘ-হৈজে, ১০৮০ বৈশাধ-আবাচ় ও ১০১৮ বৈশাধ-আবাচ় সংখ্যার প্রকাশিত ১২ সংখ্যক গানের, ১২৮০ প্রাবণ-তাবিন ও ১০৮৪ বৈশাধ-আবাচ সংখ্যার প্রকাশিত ১২ সংখ্যক গানের এবং হরকমা পজিকার ১০৮৬ সংখ্যার প্রকাশিত ১২ সংখ্যক গানের এবং হরকমা পজিকার ১০৮৬ সংখ্যার প্রকাশিত ৩-সংখ্যক গানের অর্কিপি প্রবাসী ১০৩২ আখিন সংখ্যা হইতে সংক্ষাত্র। প্রীমন্ত্র কর্ম -কৃত্ত ২-সংখ্যক গানের অর্কিপি প্রবাসী ১০৩২ আখিন সংখ্যা হইতে সংক্ষাত্র। প্রীমন্ত্র বিশান্তিদের ঘোর -কৃত্ত ৪-সংখ্যক গানের অর্কিপি প্রবাসী ১০৪২ কাতিক সংখ্যা হইতে সংক্ষাত্র। প্রীপ্রমূলকুমার দাস -কৃত্ত ৫-সংখ্যক গানের অর্কিপি প্রবাসী ১০৪২ কাতিক সংখ্যা হইতে সংক্ষাত্র। প্রিপ্রমূলকুমার দাস -কৃত্ত ৫-সংখ্যক গানের অর্কিপি বিশ্বভারতী পজিকার ১৩৬৪ বৈশাথ-আবাচ সংখ্যা ও ৮-সংখ্যক গানের অর্কিপি বিশ্বভারতী পজিকার ১৩৬৪ বৈশাথ-আবাচ সংখ্যা ও ৮-সংখ্যক গানের অর্কিপি বিশ্বভারতী পজিকার ১৩৬৪ বৈশাথ-আবাচ সংখ্যা ও ৮-সংখ্যক গানের প্রিরিলিপ হেবি সংখ্যা হইতে গৃহীত।

এই গ্রন্থের অন্তর্ভুক্ত গানের রচনাকাল ও প্রকাশকাল সম্পর্কে এ যাবৎ সংগৃহীত তথ্যাদি সন্নিবিষ্ট হইল। উদ্ধিতিত তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুলকুমার দাস।

ফাৰ্মন ১৩৮৭



.

রচনাকাল/প্রকাশকাল

	ভাবিব/হাব	তারিধ-প্রাধিহান		সামরিক পঞ্জ / এছ	11 44
ववदा बाधुदी बदद्दकि बदकावबदन				वि. ১ > २। ১७८८	विदेगनकात्रकम
		,		•	মনুম্নার
দাসি ভোষার প্রেমে হব			হাজা	व्यं. ७।५७७२	গ্ৰীৰতী সাহানা-
			() () ()		দেবী
দামি প্ৰাবণ-আকাশে ওই	क्षांच ५७६६	প্রভবিভান ২	व्यं. ११५७८६	মু. ১৬৮৬	ত্রীশৈলজারঞ্জন
(আগরমুক্ত)					মজুমদার
भागितनविशातिनी खत्र-काना (पर्वी	8 खाज ১७८३	বিচিত্রা	বিচিত্রা	ख. १।५७८२	শ্ৰীশান্তিদেব ঘোষ
	শান্তিনিকেডন	काऽ७८२	७।५७८२		
ही ध्वनि वाटक शहनटक्रजनामाटक	[2004]	গীতবিভান ৩	वि.	ৰি. ১-৩ ১৩৬৪	শ্ৰীপ্ৰফুলকুমার দাৰ্
			১-७ । ১७७৪		
मिन योत्र (त मिन योग्र वियोदम			কাব্যগ্ৰন্থ ৮	वि. ১٠-১२।১७७८	হুৱেন্দ্ৰনাথ
		-	(3030)		বন্দ্যোপাধ্যা
ধুসর জীবনের গোধৃলিতে	•			বি. ১-৩।১৩৮•	बै टिनमका दश्न
ক্লান্ত মণিন	·				मञ्बन
নহ মাভা, নহ কলা, নহ বধ্	२०11/00-२	গীতবিভান ৩	কা ব্যগ্রন্থাবলী	वि. १-३।३७७৮	শ্ৰীপ্ৰমূলকুমার দা
			(30.0)		
নির্জন রাজে নি:শব্দ চরণপাতে	ेटिया ५७८७	পাতৃলিপি		বি. ১-৩।১৩৭৮	শ্রীশৈলজারঞ্জন
	উ नद्रन			-	मञ्चना
পায়ে পড়ি শোনো ভাই গাইয়ে	৬ ভাক্ত ১৩৪২	বিচিত্রা	বিচিত্রা	বি. ৪-৬।১৩৮৪	স্ধীরচন্দ্র কর
	শান্তিনিকেজন	1	७।३७८२		
রাজ-অধিরাজ, তব ভালে	3. 3. 30.9	বিদর্জন ২	বিসর্জন	হ. ১	অনাদিকুমার
					मखिनां
ন্ন্যানী যে ভাগিল ও ই	খসড়া :	वनवांगी	মা. ব.	বি. ৪-৬।১৩৮৩	শ্রীশৈলজারঞ্জন
	34. b. 3008		8००८।६	8 7-017048	मञ्चन
হুল্য-বাসনা পূর্ণ হল			কাব্যগ্ৰন্থ ৮	वि. ৪-७।১७१३	হয়েজনাথ
And High Co. Co.			(3030)		वटन्गांशांका

১ তুলনীর: 'অধরা' (রচনা: ১৩. ১. ১৯৪০)— সানাই কাব্য।

২ উলিখিত তারিখের অনুষ্ঠানগত্ত । এখন একাশ : হৈছে ১২৯৭

थ. - প্রবাসী । বি. - বিবভারতী পঞ্জিকা। হ. - হরকমা পঞ্জিকা। মা. ব. - মাসিক বহুমতী।



.

অধিকতর স্থানিষ্টি ও অধুনা বিশ্বতারতী-অকুস্ত আকারনাত্রিক অংলিপি -প্রতির সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

- সর গম প ধ ন— সপ্তক। খাদ-সপ্তকের চিক্ত খরের নীচে হসন্ত, বণা— প্, ধ্, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিক্ত খরের মাণায় রেফ, বণা— স্, র্র।
- र कामन त— अ, त्कामन न— क, किए म— अ, त्कामन ४— म ध्वर त्कामन न— न।
- ঋ³ = অভিকোষল ঋষভ। অভিকোষল ঋষভের হান স ও ঋ পরন্ধরের
 মধ্যবর্তী। অঙ্গ, দৢ৽, ০ৢ৽ = বথাক্রমে অভিকোষল গান্ধার, ধৈবত ও নিবাদ।
 ঋ॰ = অপুকোষল ঋষভ। অপুকোষল ঋষভের হান ঋ ও র পরন্ধরের মধ্যবর্তী।
 অঙ্গ, দৢ৽, ০ৢ॰ = বথাক্রমে অপুকোষল গান্ধার, ধৈবত ও নিবাদ।
- 8 अक्सांका = १। व्यर्थमांका = १। तिकियांका = ०। क्ट्रेंग्नि व्यर्थमांका, वथा— नदा। ठादिण निकियांका, वथा— नदाया । क्ट्रेंग्निकियांका, वथा— नदा। अक्रि व्यर्थमांका छ क्ट्रेंग्निकियांका, वथा— न॰। अक्रि व्यर्थमांका छ क्ट्रेंग्निकियांका विनिद्या अक्यांका, वथा— नः नदा। अक्रि तिक्यांका अक्रियांका विनिद्या अक्यांका, वथा— नः नदा। अक्रियांका अक्रियांका अक्रियांका विनिद्यां क्ट्रें यांका, वथा— दाः नः ।
- ভ বিরামের চিহ্ন ও মাজাসমূহের চিহ্ন একই; হাইফেন-বর্জিড হইলে এবং স্বরাক্ষরের গায়ে সংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাজা, বিরামের মাজা বলিয়া বুঝিডে হইবে। স্বরের ক্ষণিক স্তর্জাকে বিরাম বলে।
- গ তাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁজি। সমে ও সম্ হইতে ভালের এক ফেরা হইয়াগেলে দাঁজির ছলে I এরপ একটি 'দগু' চিহ্ন বসে। প্রায় প্রভাকে কলির আরভে ছইটি দগু বসে। বেখানে গান একেবারে শেব হয় সেখানে চারিটি দগু বসে।
- ৮ মাজাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রভ্যেক গুচ্ছের প্রথম মাজার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, •, ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালাম্ব নির্দেশ করে। শৃষ্ক-চিহ্নে (•) ফাক ও বে সংখ্যার রেফ-চিহ্ন থাকে (১) তাহাভেই সম্ব্রিভে ইইবে।
- শাস্থায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ তুইটি করিয়া দণ্ড বলে। কোনো কলির শেবে II এই যুগল দণ্ড এবং সব-শেবে II II তুই জোড়া দণ্ড দেখিলেই আছায়ীয় প্রথমে বেখানে যুগল দণ্ড আছে সেইখান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।

- ১০ আছারীর আরভে, II এই যুগল লঙের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে; কারণ প্রভ্যেক কলির শেবে এই অংশটুকু " " এরপ উদ্যুতি-চিক্লের বর্ষ্যে পুনঃ পুনঃ লিখিত হইরা থাকে।
- ১১ স্বলানের চিচ্চ, শিরোদেশে যুগল দাঁড়ি, বথা— সা। হয় এইথানে একেবারে থাসিবে; নয় এইথানে থাসিয়া গানের স্বস্তু কলি ধরিবে।
- ১২ পুনরার্ভির চিহ্ন {} এই গুদ্দবন্ধনী; এবং পুনরার্ভিকালে কভকগুলি স্বর বাদ দিয়া বাইবার চিহ্ন () এই বক্র বন্ধনী, বথা—{ দা রা (গা মা)}। মা পা।
- ১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো হ্রের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [] এই সরল রোগা] বন্ধনীচিছের মধ্যে পরিবর্তিত বরগুলি ছাপিত হয়; বথা— {সারাগা}। কলির শেবে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেবে তুই প্রছ যুগল দণ্ডের মধ্যে [] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, বথা— I[] I, II[] II, আছান্নীতে ফিরিয়া পরিবর্তিত হার গাহিতে হয়।
- ১৪ কোনো এক বর বথন বার-এক বরে বিশেষরূপে গড়াইয়া বায়, তথন বরের নীচে ___ এইরপ মীড়-চিহ্ন থাকে, বথা— ণা -পা।
- ১৫ বধন বরের নীচে গানের অকর না থাকে, তথন সেই অর বা অরগুলুর বাম পার্থে হাইফেন (-) বসে এবং গানের পংক্তিতে পৃক্ত (•) দেওরা হয়; বথা— সা -া -া -। অথবা— সা -রা -গা -মা। একই অর পৃথক
 মা • মা • •

ঝোঁকে উচ্চারিড হইলে সেই খরের বাম পার্থেও হাইফেন বসে; যথা— সা -সা -রা -রা। অথবা— সা -সা -রা -রা।
মা • • • গা • • ন

১৬ নীচে গানের অক্ষর অরাস্ত না হইলে উপরে অরের বাম পার্বে হাইফেন (-) বলে। যথা--- সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া । গা • • ন্ গা • • ন্

উচ্চারণ। স্বর্লিপির ভিতরে প্রায় সব কথার বানান বণাসাধ্য উচ্চারণ-সহবারী বিশ্লেব করিয়া দেখাইডে বত্ব করা হইরাছে। ১ = এ এবং ১ = স্মা, বেরপ বেদনা ও বেদা শব্দের প্রথম ব্যৱনাজিত একারের মুল্লগে ইন্সিড করা হইরাছে। ভাহা ছাড়া 'স্বেশার' বিশ্লেবিড হইলে ছাণা হয়— স্মানে সামা। 'ম্বেশ্ — মুল্লা

স্বরবিতান ৬২

